कुंडलियां

प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-1 पहले पद में कवि ने क्या संदेश देना चाहा है ?
उत्तर-पहले पद में कवि ने यह संदेश देना चाहा है कि हमें कभी भी धन दौलत पाकर अभिमान नहीं करना चाहिए क्योंकि धन चंचल नदी के जल की तरह है जो निरंतर बहता रहता है अर्थात वह हमेशा खर्च होता रहता है। धन दौलत को किसी भी तरह रोक कर नहीं रख सकते। यह मेहमान की तरह है, जो कुछ ही दिनों तक हमारे पास रहता है ।कवि कहते हैं कि हमें मृदुभाषी और विनयी बनकर जगत में यश कमाना चाहिए।

प्रश्न -2 कवि धन से भी ज्यादा महत्वपूर्ण किसे मानता है और क्यों?
उत्तर- कवि ने धन से भी ज़्यादा महत्वपूर्ण मधुर वाणी और विनयी स्वभाव को माना हैं।सभी लोग इन्हीं गुणों से प्रभावित होते हैं। धन दौलत हमेशा हमारे पास नहीं रहता और न ही इससे हमें संसार में आदर मिलता है। संसार में व्यक्ति के गुण ही उसे मान-सम्मान दिलाते हैं।

प्रश्न -3 ऐसा क्यों कहा गया है?
उत्तर-(क) कवि ने धन को नदी का चंचल जल बताया है जिस प्रकार जल चंचलता के साथ इधर-उधर बहता रहता है उसी प्रकार धन का भी कोई भरोसा नहीं होता । वह आज तो है पर आवश्यक नहीं कि कल भी आपके पास हो।

(ख) कोयल और कौए का एक ही रंग होता है किंतु कोयल की मधुर आवाज़ के कारण सभी उसे पसंद करते हैं यदि आप भी बुरा व्यवहार करते हैं तो आपको भी कौए की तरह अनादर ही मिलेगा। अच्छे गुणों से सम्मान सरलता से पाया जा सकता है।

(ग) कवि ने कहा है कि यदि आप अपना काम बिना विचार किए शुरु करते हैं तो आपको दुख और पछतावा होगा उस पछतावे में आपको खाना-पीना संगीत कुछ भी अच्छा नहीं लगेगा अतः पछताने के बजाय सोच समझ कर काम करें।

****